तृतीय अध्याय

* यन्त्र वर्णनम् *

शत्रु का शरीर फूलने का यन्त्र

६७	७४	२	७
४१	६३	५३	७३
७६	२१	३२	५
५	५	२२	७५

इस यन्त्र को कागज़ पर लाल स्याही से लिखकर उस कागज को आक (मदार) के पेड़ में धागे से बाँध आवे। ग्यारह दिन के बाद उस कागज को खोल लावे तथा उसकी पीठ पर उसका नाम लिख कर उसी के घर फेक आवे तो उसका पेट फूल जावे।

बाजार नष्ट करने का यन्त्र

६६	४७	३	७
६	३	७	२७
५७	१७	८	१
७	५	७१	४७

विधि :—

(१) इस मन्त्र को अश्लेषा नक्षत्र में दुश्मन की दुकान पर बैठकर लिखे तो दुकान नष्ट होय ।

(२) इस यन्त्र को १०८ पीपल के पत्तों पर हथिनी के दूध से लिख कर उन पत्तों को महीन-महीन पीस कर एक घड़ा जल में मिलावे और बाजार में छिड़क देवे तो बाजार नष्ट हो जावे ।

ढोल फूटने का यन्त्र

७	४७	४	७
६	६	१७	३७
६७	६८	२६	४
५	८	२	५७

विधि :—

इस यंत्र को चमड़े पर किसी पोखरे की मिट्टी से लिख कर बजती हुई ढोल को दिखाने से ढोल फूट जायेगी।

परदेशी को बुलाने का यन्त्र

३८	६५	१	२१
०	६३	६२	१६
४५	५	८१	६१
८	६९	२८	५८

विधि :—

(१) इसी यंत्र को मार्ग की धूल से कागज पर लिखे और कोड़ों से उस पर मारे तो आदमी आ जावे ।

(२) इसी यंत्र को तालाव की मिट्टी लेकर बड़ के पत्ते पर लिखे और परदेशी का नाम भी लिखे व आने वाले की दिशा में गाड़ दे तो फौरन चला आवे ।

मस्त होने का यन्त्र

९६	४७	४	७
६	६	१७	७३
६७	६८	८	९
५	८	६	५७

विधि :—

(१) इस यन्त्र को स्वाती नक्षत्र में भोजपत्र पर शूकरी (सुअरी) के दूध से लिख कर पुरुष कमर में बाँध कर स्त्रीसे भोग-विलास करे तो मस्ती अधिक आवे।

(२) अगर कोयले से किसी ठीकरे पर लिख कर दूध के साथ दही में जमा दे, फिर सुबह निकाल कर पीस कर आटे में मिला कर देवे। जो उस आटे की रोटी खावेगा मस्त हो जावेगा।

स्त्री वशीकरण यन्त्र

३६	२७	८	८
८	६	७	२६
८७	७२	८	१
७	५	६७	७४

विधि :—

(१) इस यन्त्र को चन्दन अथवा स्त्री की योनि-रज से कागज पर या हथेली पर लिख कर जिस स्त्री को दिखावे तो वह अवश्य वशीभूत हो जावे ।

(२) इस यन्त्र को चन्दन से लाल रङ्ग के कागज पर लिख कर तथा इनमें भिगो कर रक्खे । जिस औरत को वश में करना हो उसकी साड़ी में पिन के साथ लगा दे तो वह औरत वश में हो जावे ।

वचन सिद्धि यन्त्र

६८	३७	८	८
८	६	२७	२६
८७	२७	१	८
७	५	७७	६४

विधि :—

(१) इस यन्त्र को कुलंजन के रस से भोजपत्र पर लिखे सोने के मादुली (ताबीज) में भर कर गले में बाँधे तो वाक-सिद्धि प्राप्त हो।

(२) इस यन्त्र को दूध से लाल रङ्ग के कपड़े पर लिख कर तथा उसका ताबीज बनाकर बाँधे तो अवश्य वचन सिद्धि हो जाये।

बुद्धि उत्पन्न होने का यन्त्र

७	७४	९	५९
६	६	१७	३७
४७	८६	८	९
८	५	३९	५७

विधि :—

(१) इस यन्त्र को शुक्लपक्ष की चतुर्दशी की रात्रि में अपनी जीभ पर लिखे तो बुद्धि उत्पन्न हो।

(२) इस यन्त्र को भोजपत्र पर गुलाब की कलम से लिखे और उसका ताबीज बनाकर दायें हाथ में बाँधे तो बुद्धि बढ़े।

मसान जगाने का यन्त्र

९०	७४	९	९
६	६	७१	७३
६७	८६	८	९
५	८	९३	७५

विधि :—

(१) इस यन्त्र को मदिरा से मुर्दे की खोपड़ी पर लिखे तो आवाज हो और मसान जागे।

(२) इस यन्त्रको कागज पर श्मशान की राख से लिखे और उसे मुर्दे के नीचे रख कर ऊपर से मदिरा की धार लगावे तो मसान जाग जावे।

डाकिनी यन्त्र

८०	६४	२१	१
३६	१३	६४	५३
६६	६१	१२	११
३४	२५	५६	६५

विधि :—

(१) इस यन्त्र को खैर की लकड़ी के कोयले से चर्म पर लिखे तो समस्त डाकिनियाँ लिखने वाले के पास आ जावें।

(२) इसी यन्त्र को नीबू के रस से कोरे कागज पर लिख कर मशान के स्थान में पीपल के पेड़ के नीचे गाड़ देवे तो प्रयोग कर्त्ता के पास डाकिनियाँ आवें।

विरोध होने का यन्त्र

८५	६५	९	२१
६	३०	६२	१३
६४	५	८८	११
५	८३	७४	८५

विधि :—

इस यन्त्र को ढाक के पत्ते पर चावल के माँड़ से लिखे। ढाक के पत्ते को २१ दिन तक स्मशान में गाड़ कर दबा दे। फिर जिस घर में विरोध कराना हो उस घर में फैंक कर पश्चिम दिशा में मूत्र-त्याग करे तो विरोध हो जावेगा।

भूत-प्रेत नाशक यन्त्र

८५	५६	१	१२
६	६०	६२	१३
४६	४	१८	९१
४६	६९	२८	५८

विधि :—

(१) इस यन्त्र को असगन्ध से भोजपत्र पर लिखे। घर में लिखे तो भूतप्रेत का भय जाता रहे।

(२) इसी यन्त्र को रौप्य [चांदी] की तश्तरी पर स्मशान की मिट्टी लाकर उससे लिखे फिर भूत के सताये हुए रोगी के सिर पर दो मिनट रख कर तालाब में फेंक आवे तो भूत-प्रेतादि भाग जावें।

जुआ जीतने का यन्त्र

८	६४	८	१६
४६	१४	६४	५४
६४	५१	१२	१२
४४	१५	६५	६५

विधि :—

(१) इस यन्त्र को गोरोचन, केशर और असगंध से भोज पत्र पर स्वाती नक्षत्र में लिखें और धूप दीप देकर पूजा करें फिर दाहिने हाथ में बाँधे तों जुआ जीते।

(२) इस यन्त्र को भोजपत्र पर लिखें फिर विरोधी पक्ष के पैर के नीचे रख दे और कागज पर लिख कर अपने पैर के नीचे रख लें तो अवश्य जीते।

कुत्ता भूँकने का यन्त्र

३७	७४	८	९
६	६	७१	७३
७६	८८	८	९
५	८	३९	७५

विधि :—

(१) इस यन्त्र को शनिवार के दिन काली स्याही से कुत्ते के कान पर लिख दे तो कुत्ता भूँकता फिरे।

[२] इस यन्त्र को बेल के पत्ते पर पजावे [ईंट के भट्ठे] की मिट्टी से लिख कर जिस कुत्ते को बेल का पत्ता खिला दे तो वह कुत्ता भूँकता फिरे। [पत्ते को पीस कर दूध में मिलाकर कुत्ते को पिलावे]

मोहनी यन्त्र

६९	७२	३	३
७	९	७	६२
७४	१७	८	१
७	५	१७	७५

विधि :—

(१) इस यन्त्र को नारी के दूध से भोजपत्र पर पुष्य नक्षत्र में लिख कर बायें हाथ पर बाँधे तो नारी दासी हो जावे।

[२] इस यन्त्र को चंदन से लाल रंग के कागज पर लिख कर तथा इत्र में भिगो कर जिस नारी को वश में करना हो उसकी साड़ी में लगा दे तो वह वश में हो जावे।

कलह होने का यन्त्र

८०	१२	८	६
४६	६४	११	७४
६४	१२	८	६५
४४	५५	५५	७५

विधि :—

(१) इस यन्त्र को मंगलवार के दिन कुम्हार के आँवे से निकले हुये ठीकरे पर उल्लू के पंख की कलम से अपने खून से लिखकर विरोधी के घर में फेंक दे तो अवश्य कलह हो।

(२) इस यन्त्र को आक पत्र पर कपिला गाय के गोबर से लिखे और दुश्मन के छत पर फेंक दे तो अवश्य कलह हो।

व्यापार वृद्धि यन्त्र

६०	७२	८	८
८	६	७	६०
७७	२७	८	१
७	५	७६	७४

विधि :—

(१) इस यन्त्र को दीवाली के दिन दूकान पर लाल चंदन से लिख दे तो व्यापार में अधिक लाभ हो।

(२) इस यन्त्र को भोजपत्र पर असगन्ध से शुभ दिन में लिखकर दूकान पर अपने गल्ले में डाल दे तो व्यापार में अधिक लाभ हो।

नामर्द बनाने का यन्त्र

६३	२६	६१	१७
३६	४३	३७	४५
६३	११	१२	६१
२८	२५	५६	७५

विधि :—

(१(इस यन्त्र को रेशम के कपड़े पर गौरोचन से जिस आदमी का नाम लिखकर उसके पैर के नीचे रख दे तो वह पुरुष नामर्द हो जाये।

(२) इस यन्त्र को भोजपंत्र पर तालाब की मिट्टी लाकर लिखें और अष्टगंध आदि देकर जिस मनुष्य को दिखावे तो वह नामर्द हो जाये।

अधिक भोजन खाने का यंत्र

३८	६६	१	१७
०	१३	६२	५३
४५	४१	८१	१७
८	२५	५६	७५

विधि :—

(१) इस यन्त्र को करकेटी के रक्त से भोजपत्र पर लिखें और चूल्हे के पीछे गाड़ दें तो सब खा जावें।

(२) इस यन्त्र को चन्दन से भोजपत्र प लिखे और भोजन करते समय अपनी थाली के नीचे रखे तो अधिक भोजन करे।

चाक पर बासन सटने का यंत्र

४८	७५	१	२१
६	८३	६२	५३
५४	५	८७	६१
८	६९	५६	५८

विधि :—

(१) इस यन्त्र को खैर की लकड़ी के कोयले से कुम्हार के चाक पर लिख दें तो बासन चाक ही पर सट जाय।

(२) इस यन्त्र को लाल कागज पर मौलश्री के रस स लिखे और कुम्हार के चाक के नीचे गाड़ आवे तो उसका बासन एक भी साबूत ज उतरे, अर्थात् फूट जावे।

रति कार्य में पराक्रमी होने का यंत्र

९७	७५	१	२६
१	४७	६२	१६
५४	५	८७	९१
८	८९	६८	५८

विधि :—

[१) इस यन्त्र को स्त्री की योनि से छुटे हुये पानी से लिखकर विषय करे और यन्त्र को देखता जाये तो अधिक पराक्रमी हो ।

(२) इस यन्त्र को जच्चाखाने की मिट्टी लाकर लिखे तथा रात को खाट के नीचे भोग करते समय रक्खे तो पराक्रमी बने ।

पुरुष वशीकरण यन्त्र

१	६५	१	६२
७८	६	२	५२
६७	२८	८७	६१
६	४	३६	४५

विधि :—

(१) इस यन्त्र को पान के रस से लिखें और जिस पुरुष की बाँह पर बाँध दे तो वह पुरुष स्त्री के वश में हो जावे।

(२) इस यन्त्र को असगंध से भोजपत्र पर लिखे और जो स्त्री अपनी साड़ी में बाँधे तो उसका पुरुष उसके वश में हो जाय यह मेरा निश्चय है।

काम नाशक यन्त्र

६३	२६	१६	१८
३६	४३	३४	४६
४६	११	१२	६१
४४	५२	६५	७५

विधि :—

(१) इस यन्त्र को अपने रक्त से पुष्य नक्षत्र में लिखें और अपने पास रख लें तो काम वासना न सतावे।

(२) इस यंत्र को सफेद कागज पर औरत के रक्त से शुभ घड़ी में लिखे और स्त्री के पास जाते समय अपने पास रक्खें तो काम (विषय वासना) न सतावे।

शत्रु मारण यन्त्र

५८	३७	६	८
७८	६	२	५२
५४	५	८७	६१
७	८६	६८	५८

विधि:—

(१) इस यन्त्र को हाथी के दाँत से सफेद कागज पर लिखे और मरघट में गाड़ दे तो शत्रु की मृत्यु हो।

(२) इस यन्त्र को पेड़ के नीचे की जड़ लाकर सफेद कागज पर लिखे और उसके रहने के स्थान पर गाड़ दे तो अवश्य दुश्मन मर जाय।

यदि जीवित बच जावे तो अमल करने की रीति की कमी समझो।

शत्रु मुख भंजन यन्त्र

८७	६७	३	८
८	९	४२	२५
७८	७२	९	८
७	५	३९	३५

विधि:—

(१) इस यन्त्र को सफेद कागज पर लोहे की कलम से लिख कर शत्रु का नाम लिखे और उस पर जूता मारे जावे तो शत्रु का मुख भंजन हो जावे।

(२) इस यन्त्र को गधे की लीद से सफेद कागज पर लिखे और उसे भुजा पर बांधे तो शत्रु का मुख अवश्य भंजन हो जाय।

शत्रु भय नाशक यन्त्र

६	४४	६	५१
७४	४	४	५२
३	२८	८७	६१
६	५	३६	४५

विधि :—

(१) इस यन्त्र को भोजपत्र पर धतूरे के रस से लिखे और गले में बाँधे तो शत्रु का भय न रहे ।

(२) इस यन्त्र को सफेद कागज पर आक के दूध से लिखे और सिद्धि के नियमानुसार सिद्ध करके अपने पास रक्खे तो कभी शत्रु से भय न रहेगा ।

कष्ट छूटने का यन्त्र

३८	५७	१	८
१	६	६२	२१
८७	२७	१	८
८	५	८३	६५

विधि :—

(१) इस यन्त्र को काँसा के पात्र पर गुलाब के रस से लिखें और उसको धो दे, उस पानी को गर्भवती स्त्री को पिलावे तो उसका कष्ट चला जावे।

(२) इस यन्त्र को लाल कागज पर गुलाब की कलम भैंस के दूध से लिखे और गुग्गुल की धूप देकर जिस स्त्री को दिखावे तो उसका कष्ट दूर हो जावे।

राज-मान यन्त्र

३६	५८	१	३८
१	९	६२	६१
८७	४५	१	८
८	५	८३	८५

विधि:—

(१) इस यन्त्र को भोजपत्र पर चमेली की कलम से लिख कर अपनी भुजा पर बाँधे तो राजा से प्रतिष्ठा प्राप्त हो।

(२) इसी यन्त्र को भोजपत्र पर गुलाब के रस से लिखे और अपनी भुजा पर बाँधे तो राजदबार में जाने से मान और आदर हो।

कान दर्द नाशक यन्त्र

८३	२६	६१	१५
३६	४३	३४	८४
६३	११	१२	६१
३४	५२	५६	५७

विधिः—

(१) इस यन्त्र को सफेद कागज पर अनार के रस से लिखे और लिखकर कान में बांधे तो कान का दर्द जा ा रहे ।

(२) इस यन्त्र को तुलसी के पत्ते पर लिखे और इसका रस निकाल कर तथा गरम करके कान में डाले तो कान का दर्द जाता रहे ।

शत्रु वशीकरण यन्त्र

७	४६	९	९६
६	४	४	१७
६७	६८	८	९
८	६	९३	७५

विधिः—

(१) इस यन्त्र को नगाड़े पर लिख दें और नगाड़ा बजावे तो शत्रु वश में हो जावे।

(२) इसी यन्त्र को लहू से कागज पर लिख कर शत्रु के घर के पीछे गाड़ दे और सात रोज तक उसको पानी देता रहे तो शत्रु वशीभूत हो जावे।

फिर भी यदि किसी कारण से वश में न होवे तो उस कागज को लाकर आग में जला दे।

शूल होने का यन्त्र

७	४५	९	८१
३	५	७७	१६
८७	६८	८	२
९	५	३९	७५

विधिः—

(१) इस यन्त्र को स्याही से कनेर के पत्ते पर लिखकर तथा दुश्मन का नाम लेकर उसे कील से छेद दे तो उसको शूल उठने लगेगा।

(२) ऊपर के यन्त्र को सफेद कपड़े पर साही का काँटा लाकर हरी रोशनाई से लिखकर दुश्मन को दिखावे और जमीन में गाड़ दे तथा उस जगह तीन दिन तक धूप वगैरह देता जावे तो दुश्मन को शूल उठे।

अर्द्ध कपारी का यन्त्र

३८	८५	१	३२
५	६	६२	५२
५५	८४	१	११
८	८६	८३	८५

विधि :—

(१) इस यन्त्र को सफेद कागज पर स्याही से रविवार के दिन लिखे और सुअर के बैठने की जगह पर गाड़ दे और वहाँ की मिट्टी लगावे तो अर्द्ध कपारी दूर हो।

(२) इस यन्त्र को सफेद कागज पर सुरमे से शुभ नक्षत्र में लिखे और किसी पेड़ के नीचे गाड़ दे तथा कुछ दिन के बाद उसको उखाड़ कर जला दे तो अर्द्ध कपारी दूर हो।

शत्रु का मुँह सुजाने का यन्त्र

१६	१५	३६	१६
२६	४३	३४	६३
७४	११	२१	६४
८	५२	५६	५४

विधि :—

(१) इस यन्त्र को सफेद कागज पर रविवार के दिन शत्रु का नाम सरसों के तेल से लिखे और जमीन में गाड़ दे तो शत्रु के मुख पर सूजन आ जावे ।

(२) इस यन्त्र को सफेद कागज पर लोहे की कलम से बकरी के दूध से शत्रु का नाम लिखकर उस पर जूता मारे तो शत्रु का मुख फूल जावेगा ।

नारी कष्ट निवारण यन्त्र

७६	५४	६	८५
६	४२	६२	१५
५७	७२	८५	११
८	३८	८४	८५

विधि:—

(१) इस यन्त्र को हाथी के हाड़ पर लाल स्याही से लिखे और स्त्री की कमर में बाँध दे तो उसे किसी भी तरह का कष्ट न होगा।

(२) इस यंत्र को गदहे की हड्डी पर हरी स्याही से लिख कर उसे स्त्री के निवास स्थान पर बाँध दे तो उसका कष्ट दूर होगा।

गर्भ स्तंभन यन्त्र

६७	५८	१	५४
५	२३	६२	५१
६५	८	८५	११
८	८३	४८	८५

विधि—

(१) इस यन्त्र को शनिवार के दिन भोजपत्र पर लाल स्याही से लिख कर स्त्री के बायें हाथ में बाँधने से उसे अवश्य ही गर्भ रह जायेगा।

(२) इस यन्त्र को सफेद कागज पर रोली से रविवार के दिन लिखे तथा उसे ताबीज बनाकर स्त्री गले में बाँधे तो उसे निश्चय गर्भ रहेगा।

आधा शीशी का यन्त्र

५६	८५	१	४५
५	२३	६२	५१
६५	८	८५	११
८	८३	७४	८५

विधि :—

(१) इस यन्त्र को सोमवार के दिन सफेद कागज पर लिखे और माथे पर बाँधे तो आधा शीशी जाय।

(२) इस यन्त्र को लाल कागज पर सफेद चन्दन से लिख कर गुग्गुल आदि की धूप देकर भुजा में बाँधे तो आधा शीशी जाय।

सर्प विष नाशक यन्त्र

७७	५५	०	९
६	६	४५	५३
७६	३६	९	८
७	५	७४	५४

विधि:—

(१) इस यन्त्र को लाल चन्दन से हरे कागज पर लिखे और गंगाजल में धोकर जिसे साँप ने काटा हो उसे सिद्ध करके पिलादे तो विष दूर हो जाय, लोग ऐसा विश्वास करते हैं।

(२) इस यन्त्र को नीबू के रस से पान के पत्ते पर लिखे तथा सिद्ध करके हल्दी की घोल में मिलाकर पिलाने से फौरन विष दूर हो जायेगा, यह ऋषियों का कथन है।

राजा वशीकरण यन्त्र

३९	३३	५२	४६
१४	३६	५३	९१
४४	११	३२	७५
५४	४५	२२	४६

विधि :—

(१) इस यन्त्र को सफेद कागज पर चोड़ की लकड़ी से हरी स्याही से लिखे तो चक्रवर्ती राजा भी वशीभूत हो जावे।

(२) इस यन्त्र को सफेद चन्दन से भोजपत्र पर लिखे और सिद्धि प्रयोग अनुसार सिद्ध करके अपने साथ जिस राजा के पास ले जावे वह अपने आप वश में अवश्य हो जाय।

गायों से दूध बढ़ाने का यंत्र

६३	६०	१८	१६
६३	४३	३४	४६
७४	११	२१	६१
४४	५६	५२	५७

विधि :—

(१) इस यन्त्र को किसी भी कागज पर गोरोचन से लिखे और ताबीज बनाकर गाय के गले में बाँधे तो दूध बढ़ जाये ।

(२) इस यन्त्र को सफेद कागज पर कोयले से लिखकर नीले कपड़े में ताबीज बनाकर गाय के गले में बाँधने से दूध अवश्य बढ़ेगा ।

बुरे स्वप्नों का यन्त्र

२	५५	१	२४
८	७	८१	७५
८६	८५	२	३
५	६	३२	७५

विधि:—

(१) इस यन्त्र को भोजपत्र पर रोली से मंगलवार के दिन लिखकर ताबीज बनावे और गले में बाँधे तो उसको बुरे स्वप्न नहीं दिखाई देंगे।

(२) इस यन्त्र को सफेद कागज पर लिखकर सोते समय अपने सिरहाने में रखने से बुरे स्वप्न नहीं दिखाई देंगे। ऐसा हमारा विश्वास है।

शत्रु उच्चाटन-यन्त्र

७७	५३	४	९
६	९	२५	३५
६७	६२	९	८
७	५	७४	८

विधि :—

(१) इस यन्त्र को लोहे की कलम से ताँबे के पत्र पर लिखे और अपने पास रक्खे तो शत्रु को उच्चाटन हो।

(२) इस यन्त्र को रेशम के कपड़े पर लिखे और ताँबे की ताबीज बनाकर दुश्मन के हाथ में किसी के द्वारा बँधवाये तो उसको अवश्य उच्चाटन हो।

तिजारी ज्वर का यन्त्र

३५	६५	१	४५
६	२३	६२	५१
६५	८	८५	११
८	८३	७४	८५

विधि :—

(१) इस यन्त्र को असगन्ध से शनिवार के दिन लिखे और रोगी की बाँह पर बांधे तो ज्वर छूट जाय।

(२) इस यन्त्र को कुम्हार के यहाँ की मिट्टी लाकर भोजपत्र पर लिखे और रोगी से कुँये में डलवा दे तो तिजारी ज्वर अच्छा हो जाय।

सर्व सिद्धि-यन्त्र

७	५५	१	५१
८	४	८१	५७
८६	७८	२	१
५	६	२३	७५

विधि :—

(१) इस यन्त्र को गुलाब से रस से कागज पर लिखे और सिद्धि प्रयोग द्वारा सिद्ध करके अपने पास रखने से मनोकामना अवश्य पूर्ण होगी।

(२) इस यन्त्र को कागज पर लाल चन्दन से लिखे असगन्ध की धूप देकर जिसको भी पढ़ने के लिये देवे उसी से कार्य सिद्धि होवे।

दुश्मनी कराने का यन्त्र

५	४५	६	२४
८	७	५८	७५
६४	५४	२६	४
५	६	३२	७५

विधिः—

(१) इस यन्त्र को सफेद कागज पर लिखें और जिन दो आदमियों के बीच झगड़ा लगाना हो उनके रहने के स्थान पर गाड़ दे तो उन दोनों में जरूर झगड़ा हो।

(२) इस यन्त्र को सफेद कागज पर घोड़े की लीद से लिखकर जिसके घर में झगड़ा लगाना हो उसके घर में फेंक दे तो उस दिन जरूर झगड़ा हो।

शीतला माता का यंत्र

६	४४	६	५१
४७	४	४	५२
३	२८	७८	६१
६	५	३६	४५

विधि :—

(१) इस यन्त्र को स्याही से सफेद कागज पर लिखे और जिस बालक को शीतला निकली हो उसके गले में बाँध देने से शीतला शमन हो जाती हैं।

(२) इस यन्त्र को चन्दन से सफेद कागज पर लिखे और गुग्गुल से धूप देकर जिसको शीतला निकली हों ताबीज बनाकर उसके गले में बाँधे तो शीतला शीघ्र ही शमन हों।

भूत दिखाई पड़ने का यन्त्र

६३	३३	२५	४६
४१	६३	५३	६१
४४	११	३२	७५
६४	४५	२२	४६

विधि :—

(१) इस यन्त्र को भोजपत्र पर गिलोय के रस से लिख कर शनिवार की रात को रोली और धूप से पूजा करे तथा रात को सोते समय सिरहाने रख दे तो सारी रात भूत दिखाई दे।

(२) इस यन्त्र को सफेद कागज पर श्मशान की राख से लिखकर अपनी चारपाई के नीचे रक्खें तो रात भर भूत नजर आयेगा।

प्रेम बढ़ाने का यंत्र

५	४५	१७	२४
८	७	८१	७५
६४	५८	२६	४
५	६	३२	७५

विधि :—

(१) इस यन्त्र को भोजपत्र पर कपूर के रस से लिखे और फुलेल से जलावे तो प्रेम बढ़ेगा।

(२) इस यन्त्र को रेशम के कपड़े पर लाल चन्दन से लिखे और जिसे आप चाहते हों उसी से उस कपड़े को जलवा दें तो वह आपसे प्रेम करने लग जावे।

मसान का यन्त्र

५६	५७	६	९
६	९	४५	४३
७६	३६	९	८
७	५	७५	५४

विधि :—

(१) इस यन्त्र को भोजपत्र पर लिखें और बाँह में बांधे तो मसान न सतावे।

(२) इस यन्त्र को भोजपत्र पर श्मशान की मिट्टी से पीत वस्त्र में ताबीज बनाकर बाँधे तो मसान का भय जाता रहे।

क्लेश दूर करने का यंत्र

५६	५७	६	९
६	४	९५	५३
७६	२३	९	८
७	५	७६	५४

विधि :—

(१) इस यन्त्र को चन्दन से लाल कागज पर लिखें और विधि पूर्वक पूजा करे और घर में गाड़ दे तो घर की सब बलाय दूर हो।

(२) इस यन्त्र को लाल चन्दन से सफेद कागज पर लिखे और धूप वगैरह देकर जो मनुष्य अपनी बाँह पर बांधे तो उसके सब क्लेश दूर हो जांय।

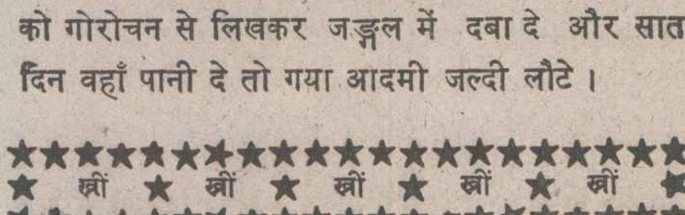
आकर्षण यन्त्र



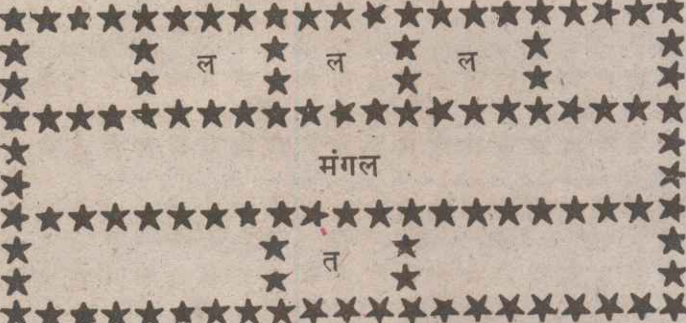
इस यन्त्र को सफेद वस्त्र पर तुलसी के रस से लिखे और जिसे बुलाना हो—सात दिन तक उसका नाम लेकर पूजन करे, नित्य ब्राह्मण को खिलावे तो कार्य सिद्ध होय।

घर लौटाने का यंत्र

जो घर से रूठ कर गया हो तो निम्नलिखित यन्त्र को गोरोचन से लिखकर जङ्गल में दबा दे और सात दिन वहाँ पानी दे तो गया आदमी जल्दी लौटे।



वाचा स्तम्भन यंत्र



विधि :—जहाँ मंगल लिखा है वहाँ उसका नाम लिखे तो उसकी वाक्शक्ति रुक जावे ।

गुप्त लेख

पहला

कबूतर के खून और संतरे के अर्क को बराबर-बराबर मिलाकर लिखे तो रात में चमके ।

दूसरा

पतङ्ग का पत्ता, स्वान का पत्ता, बाज का रक्त सबको मिलाकर स्याही बनाकर लिखे । दिन में न दिखे किन्तु रात को हीरे सा झिलमिलावेगा ।

❀ इति तृतीय अध्याय समाप्त ❀